CENTRAL UNIVERITY OF ODISHA, KORAPUT

OFFICE OF THE PUBLIC RELATIONS

PRESS RELEASE, DATE: 19.05.2023

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अकादमिक कार्यक्रम में नई दिसाएँ

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से तीन नए स्नातक कार्यक्रम और एक स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। ये कृषि विज्ञान, डेयरी विज्ञान और वन प्रबंधन में चार साल के B.Sc कार्यक्रम और रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में दो साल के पीजी / एमबीए कार्यक्रम हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो चक्रधर त्रिपाठी ने न केवल ओडिशा; बल्कि भारत की युवा पीढ़ियों के लिए नए कार्यक्रमों की शुरुआत के बारे में चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में आयोजित शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में एक बैठक की। भारत में शैक्षिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, जनजातीय समुदाय सहित युवा आबादी के हित को पूरा करने के लिए उपरोक्त नए कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 2023-24 से चार नए कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे

1. कृषि विज्ञान में स्नातक की डिग्री, अवधि: 4 साल
2. डेयरी विज्ञान में स्नातक की डिग्री, अवधि: 4 साल
3. वन प्रबंधन में मास्टर डिग्री अवधि:: 4 वर्ष
4. पीजी/एमबीए (लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन), अवधि: 2 वर्ष

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा है "पूर्वी घाट में स्थित कोरापुट क्षेत्र एक हाइलैंड पठार है जिसमें कई पहाड़ियां और पहाड़ियां हैं। उत्तर-पश्चिमी और पश्चिम-मध्य भाग को छोड़कर, लगभग पूरे जिले में घने जंगलों और अत्यधिक ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों का कब्जा है। कृषि, पशुधन और वन उत्पाद जिला अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हैं, और कोरापुट जिले में 80% से अधिक आबादी सीधे कृषि पर निर्भर करती है। अधिकांश किसान कोरापुट में पारंपरिक कृषि प्रणालियों का उपयोग करते हैं, जबकि पूरे देश के किसान आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह पारंपरिक ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी परिवारों द्वारा प्रसारित किया जाता है। उल्लेखनीय है कि 2012 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने और जैव विविधता के संरक्षण के लिए ओडिशा के कोरापुट क्षेत्र में प्रचलित पारंपरिक कृषि प्रणाली को विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (जीआईएएचएस) का दर्जा दिया है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2023-24 से कृषि विज्ञान, डेयरी विज्ञान और वन प्रबंधन में चार वर्षीय B.Sc कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है"

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कोरापुट चावल, बाजरा, अदरक, कॉफी, काली मिर्च, सब्जी और कटहल का एक प्रमुख उत्पादक है। कोरापुट मिट्टी में स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, सेब, केला और अन्य दुर्लभ फल भी उत्पन्न होते हैं। इतने बड़े उत्पादन के बावजूद, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इन उत्पादों के विपणन के लिए पर्याप्त प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली नहीं है। नये प्रोग्राम यानी लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट में दो साल का पीजी/एमबीए प्रोग्राम इन जरूरत को पूरा करेगा।

विश्वविद्यालय उपरोक्त कार्यक्रमों के लिए जल्द ही प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा और प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई 2023 से पहले पूरी हो जाएगी। प्रत्येक विषय में प्रवेश क्षमता 44 होगी। उपर्युक्त कार्यक्रमों के लिए नए संकाय की नियुक्ति शीघ्र ही की जाएगी।

डॉ फगूनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी